जलवायु परिवर्तन केन्द्र द्वारा प्राथमिक वनोपज समितियो/वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों की क्षमता उन्नयन एवं गुणवत्ता में सुधार हेतु बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

NAFCC परियोजनांतर्गत आने वाले परियोजना क्षेत्र ग्राम मुनाईकेरा, जबर्रा, दिनकरपुर एवं ग्राम भोभलाबहर, परिक्षेत्र कार्यालय दुगली वनमण्डल धमतरी में दिनांक 28–11–2018 से 30–11–2018 तक श्री प्रमोद कुमार संगल प्रो.नेचरसोल हैल्थ केयर तकनीकी सलाहकार, श्री शिरीष कुमार सिंह फील्ड इंस्पेक्टर, सीजीसर्ट, श्री राकेश कुमार श्रीवास जे. आर.एफ जलवायु परिवर्तन केन्द्र द्वारा प्राथमिक वनोपज समितियो/वन प्रबंधन समितियों के सदस्यों का क्षमता उन्नयन एवं गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य के साथ ही वनों से प्राप्त होने वाले उत्पादों के संग्रहण एवं उनकी जैविक प्रमाणीकरण कार्य हेतु परियोजना ग्राम स्तर पर बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्य क्रमशः वन प्रबंधन समिति मुनाईकेरा, जबर्रा, दिनकरपुर एवं भोभलाबहरा में दिनांक 28/11/18, 29/11/18 एवं 30/11/18 को प्रवास के दौरान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 90 प्रतिभागी उपस्थित रहे जिसमें वन विभाग के स्थानीय कर्मचारी एवं संग्राहक समिति के सदस्य उपस्थित रहे। यह कार्यक्रम श्री आई.एल.मरकाम वनपाल

देवगांव, जबर्रा, भोभलाबहरा, श्री कामताराम नेताम वनरक्षक, मुनाईकेरा एवं भोभलाबहरा, श्री दिनेश साहु वनरक्षक जबर्रा, श्री गंगाराम मण्डावी, वनरक्षक जबर्रा, श्री मंशाराम साहू, वनरक्षक, श्री रविकंचन, वनरक्षक दिनकरपुर की उपस्थिति में आयोजित किया गया ।

इस कार्यक्रम में श्री राकेश कुमार श्रीवास जे.

आर.एफ जलवायु परिवर्तन केन्द्र द्वारा उपस्थित प्रतिभागियों को क्षेत्र में संचालित परियोजना की जानकारी दिया गया। जलवायु अनुकुलन एवं जलवायु अनुकुलित आजीविका विकास की गतिविधियों पर संक्षिप्त में चर्चा तथा वनोपज के विनास विहीन संग्रहण करने हेतु उपायों पर चर्चा किया गया।

तत्पश्चात् श्री प्रमोद कुमार संगल तकनीकी सलाहकार द्वारा वनोपज संग्रहक सदस्यों को वनोपज के संग्रहण भंडारण एवं उसके रखरखाव पर प्रशिक्षण दिया गया।

श्री शिरीष कुमार सिंह द्वारा प्राथमिक लघु वनोपज संग्रहाकों से उनकी वन प्रबंधन समितियों का जैविक प्रमाणीकरण के महत्व पर संक्षिप्त जानकारी एवं प्रमाणीकरण की प्रकिया को उपस्थित प्रतिभागीयों को समझाया गया । इनके द्वारा क्षेत्र में प्रमुखतः से पाये जाने वाले वनोपज के संग्रहण एवं खरीदी–बिक्री के संबध में बताया गया ।

बैठक सह प्रशिक्षण उपरांत ग्राम जबर्रा में उपस्थित प्रतिभागीयों को शतावर, स्थानीय भाषा में दशमूल कंद को निकालने व साफ–सफाई कर उसकी गुणवत्ता बनाये रखने के लिये प्रायोगिक रुप से प्रतिभागीयों को समझाया गया तथा वनोपज के विनास विहीन संग्रहण करने हेतु उपायों पर प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् प्रशिक्षण के अंत में कार्यक्रम समाप्ति की घोषणा की गई।

–:0:–